अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 98 श्री विजय पुरम, सोमवार, 13 अप्रैल 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोंसले के निधन पर शोक की लहर, अंतिम संस्कार आज

नई दिल्ली, 12 अप्रैल

प्रख्यात गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले का आज मुंबई में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में होगा। गायिका की पौत्री ज़नाई भोसले ने सोशल मीडिया पर बताया कि आशा भोसले को सीने में संक्रमण और कमजोरी के कारण कल शाम मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आशा भोसले का करियर आठ दशक से अधिक लंबा रहा और वे अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए ख्यात थीं। वे जानी–मानी गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आशा जी के साथ अपनी पुरानी मुलाकातों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि उन पलों की स्मृतियां वे हमेशा संजोकर रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आशा भोसले की असाधारण संगीत यात्रा ने न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया, बल्कि दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। उनकी आवाज में ऐसी अद्भुत विविधता थी, जिसमें दिल को छू लेने वाली मधुरता भी थी और जोश से भरी ऊर्जा भी।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारत की सबसे आइकॉनिक और बहुमुखी आवाज़ों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बहुत दुखी हूं। दशकों तक चली उनकी असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी

सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी दिल को छू लेने वाली धुनें हों या उनकी जोशीली रचनाएं, उनकी आवाज़ हमेशा बेमिसाल रही। उनके साथ हुई मुलाकातों की यादों को मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। उनके परिवार, प्रशंसकों और सभी संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। वह आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत सदैव लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, "आज हर भारतीय और विशेषकर मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन है, जब हम सबकी प्रिय आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रहीं। आशा ताई ने न सिर्फ अपनी मधुर आवाज़ और अद्वितीय प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई, बल्कि अपने सुरों से भारतीय संगीत को भी और अधिक समृद्ध किया। हर तरह के संगीत में ढल जाने की उनकी अनोखी प्रतिभा हर व्यक्ति का दिल जीत लेती थी। अपनी आवाज़ से करोड़ों दिलों को छूने वालीं आशा जी ने हिंदी, मराठी, बांग्ला, तमिल, गुजराती सहित अनेक भाषाओं के साथ–साथ लोकगीतों में भी अमिट छाप छोड़ी।"

उन्होंने आगे लिखा, "आशा ताई की आवाज़ में जितनी कोमलता थी, उनके व्यवहार में भी उतनी ही सादगी और आत्मीयता थी। उनसे जब भी मुलाकात होती थी, संगीत और कला जैसे अनेक विषयों पर लंबी बातें होती थीं। आज वे भले ही हमारे बीच नहीं हैं, पर अपनी आवाज से वे सदैव हमारे दिलों में रहेंगी। ईश्वर आशा जी को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। उनके परिजनों और असंख्य प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।"

शेष पृष्ठ 4 पर

रोमांच, कौशल और उत्साह का अद्भुत संगम
लिटिल अण्डमान प्रो 2026 का भव्य समापन
सिवाराज बाबू और कमली मूर्ति ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती

लिटिल अण्डमान, 12 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार पर्यटन विभाग द्वारा सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित लिटिल अण्डमान प्रो 2026 का भव्य फाइनल तीन दिनों तक चले उच्चस्तरीय और रोमांचक मुकाबलों के शानदार समापन के साथ संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष सर्फर्स और स्टैंड–अप पैडलबोर्डर्स ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की मनमोहक पृष्ठभूमि के बीच अपने अद्वितीय कौशल और दृढ़ संकल्प का शानदार प्रदर्शन किया।

पुरुषों के ओपन सर्फिंग फाइनल में दर्शकों को रोमांच से भर देने वाला मुकाबला देखने को मिला। सिवाराज बाबू ने 13.63 अंकों के साथ राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने मात्र 0.30 अंकों के बेहद कम अंतर से श्रीकांत डी. (13.33) को हराकर जीत दर्ज़ की। किशोर कुमार (12.87) तीसरे स्थान पर रहे, जबकि संजय सेल्वमणि ने 9.30 अंक हासिल किए।

महिला ओपन सर्फिंग फाइनल में कमली मूर्ति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती, बल्कि अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाते हुए लगातार दूसरी बार जीत दर्ज़ की। उन्होंने 15.83 अंक हासिल कर शुगर शांति बनारसे (11.64) को 4.19 अंकों के बड़े अंतर से पीछे छोड़ा। इसके अलावा देवी रामनाथन (7.84) और रीवा अरोड़ा (5.23) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं।

एसयूपी स्प्रिंट पुरुष फाइनल में सेकर पचई ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 1:22.32 का समय दर्ज़ कर पहला स्थान प्राप्त किया। उनके बाद आकाश पुजार (1:24.65) दूसरे और सेल्वरासन नागमुथु (1:29.98) तीसरे स्थान पर रहे। महिला एसयूपी स्प्रिंट फाइनल में विजयलक्ष्मी इरुलप्पन ने 1:40.35 का समय दर्ज़ कर प्रथम स्थान हासिल किया। आरती (1:48.02) दूसरे और निशी (2:47.94) तीसरे स्थान पर रहीं।

इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की पर्यटन सचिव श्रीमती ज्योति कुमारी (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा प्रतियोगिता के दौरान प्रदर्शित अनुशासन, समर्पण और खेल भावना की सराहना की। उन्होंने आयोजकों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने कम समय में इस आयोजन को अत्यंत पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक संपन्न करना सराहनीय है। साथ ही उन्होंने युवाओं को ऐसे आयोजनों में बढ़–चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया और खेल व साहसिक पर्यटन के विकास हेतु प्रशासन की निरंतर सहायता का आश्वासन दिया।

इस मौके पर अरूण वासु, अध्यक्ष, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कहा कि, "हम सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई

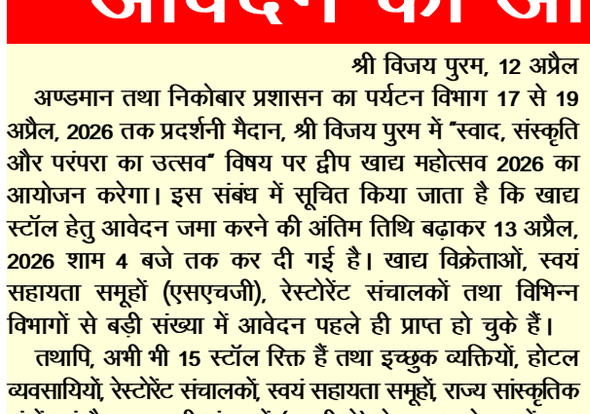

देते हैं। प्रतियोगिता में प्रदर्शित प्रतिभा वास्तव में प्रेरणादायक रही। लिटिल अण्डमान प्रो का यहां आयोजन एक अद्भुत अनुभव रहा और इसे सफल बनाने में अण्डमान तथा निकोबार पर्यटन विभाग के सहयोग के लिए हम आभारी हैं।"

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशक श्री विनायक चमाड़िया (आईएएस) ने कहा कि, "हमें गर्व है कि हमने लिटिल अण्डमान प्रो 2026 का सफल आयोजन किया और द्वीपों को सर्फिंग व साहसिक पर्यटन के उभरते केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। खिलाड़ियों और दर्शकों से मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया हमें भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करती है।"

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन विभाग ने सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से पहली बार द्वीपों में राष्ट्रीय स्तर की सर्फिंग प्रतियोगिता लिटिल अण्डमान प्रो 2026 का सफल आयोजन किया। यह आयोजन भारत में सर्फिंग के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ और इस क्षेत्र को जल क्रीड़ा के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार खेल, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का सुंदर संगम प्रस्तुत करते हुए लिटिल अण्डमान प्रो 2026 का समापन अत्यंत उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ, जिसने एक मजबूत विरासत छोड़ी और भारत में प्रतिस्पर्धी सर्फिंग के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी।

"विकसित भारत–रोज़गार एवं आजीविका मिशन" से द्वीपों में ग्रामीण विकास को नई गति

श्री विजय पुरम, 12 अप्रैल

विकसित भारत–रोज़गार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी–जी राम जी) अधिनियम, 2025 अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अप्रैल, 2026 के दौरान इस कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िलों में विभिन्न विकासात्मक कार्य प्रारंभ किए गए हैं।

प्रशासन द्वारा कार्यों के समयबद्ध क्रियान्वयन, पारदर्शिता तथा गुणवत्ता पर विशेष बल दिया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि योजना के लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक प्रभावी रूप से पहुंचें, सभी स्तरों पर निरंतर निगरानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के सभी दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में अधिकतम मानव–दिवस सृजन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन (वीबी–जी राम जी) के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से ग्रामीण विकास को सशक्त बनाने तथा द्वीपवासियों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। (शेष पृष्ठ 2 पर)

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 हेतु आवेदन की अंतिम तिथि आज

श्री विजय पुरम, 12 अप्रैल

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का पर्यटन विभाग 17 से 19 अप्रैल, 2026 तक प्रदर्शनी मैदान, श्री विजय पुरम में "स्वाद, संस्कृति और परंपरा का उत्सव" विषय पर द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 का आयोजन करेगा। इस संबंध में सूचित किया जाता है कि खाद्य स्टॉल हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 अप्रैल, 2026 शाम 4 बजे तक कर दी गई है। खाद्य विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), रेस्टोरेंट संचालकों तथा विभिन्न विभागों से बड़ी संख्या में आवेदन पहले ही प्राप्त हो चुके हैं।

तथापि, अभी भी 15 स्टॉल रिक्त हैं तथा इच्छुक व्यक्तियों, होटल व्यवसायियों, रेस्टोरेंट संचालकों, स्वयं सहायता समूहों, राज्य सांस्कृतिक संघों एवं गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) से इस आयोजन में भाग लेने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, ताकि "स्वाद, संस्कृति और परंपरा" की भावना को प्रोत्साहित किया जा सके। अतः जो इच्छुक

व्यक्ति द्वीपों की संस्कृति एवं परंपरा को प्रदर्शित करने वाली पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प का विक्रय अथवा प्रदर्शन करना चाहते हैं, वे भी स्टॉल/स्थान हेतु आवेदन कर सकते हैं। शेष पृष्ठ 4 पर

कार निकोबार में लगा निःशुल्क बहु–विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर

कार निकोबार, 12 अप्रैल

द्वीपवासियों को उनके घर के समीप ही विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज बीजेआर अस्पताल, कार निकोबार में एक दिवसीय निःशुल्क बहु–विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन अण्डमान तथा निकोबार कमान की मेडिकल डिवीजन तथा आईएनएचएस धनवंतरी के सहयोग से किया गया।

इस चिकित्सा शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करना था, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में सामान्यतः कठिनाई से उपलब्ध विशेषज्ञ परामर्श लोगों तक आसानी से पहुंच सके। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञों की टीम ने मिलकर अनेक चिकित्सा क्षेत्रों में परामर्श और उपचार प्रदान किया। उपलब्ध सेवाओं में स्त्री रोग (गायनेकोलॉजी), अस्थि रोग (ऑर्थोपेडिक्स), दंत चिकित्सा, नेत्र रोग (ऑथाल्मोलॉजी), सामान्य शल्य चिकित्सा तथा सामान्य चिकित्सा शामिल थीं।

शिविर की सफलता में बीजेआर अस्पताल के स्वास्थ्य एवं पैरामेडिकल कर्मियों की समर्पित भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अवकाश का दिन होने के बावजूद समस्त कर्मचारी पूर्ण संख्या में ड्यूटी पर उपस्थित रहे, जिससे उनकी जनसेवा और रोगी देखभाल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से झलकती है। बड़ी संख्या में आए मरीज़ों के प्रबंधन और अण्डमान तथा निकोबार कमान की मेडिकल डिवीजन एवं

आईएनएचएस धनवंतरी की विशेषज्ञ टीमों को सहयोग प्रदान करने में उनके अथक प्रयासों ने शिविर के सुचारु और प्रभावी संचालन को सुनिश्चित किया।

स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में इस शिविर का लाभ उठाया और कुल 114 मरीज़ों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। यह पहल चिकित्सा प्राधिकरणों की इस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि दूरी कभी भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के मार्ग में बाधा नहीं बनेगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बीजेआर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने इस सफल जनकल्याणकारी कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग हेतु अण्डमान तथा निकोबार कमान की मेडिकल डिवीजन और आईएनएचएस धनवंतरी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर पूरे किए गए 3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम

नई दिल्ली, 12 अप्रैल

साधना सप्ताह के दौरान कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर 3 करोड़ 18 लाख से अधिक पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। 2 से 10 अप्रैल तक आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकारी अधिकारियों के बीच निरंतर सीखने, कौशल संवर्धन और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देना था।

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अनुसार, कुल 46 लाख सरकारी कर्मचारियों ने कम से कम एक पाठ्यक्रम पूरा किया, जबकि 33 लाख कर्मचारियों ने 4 घंटे से अधिक का प्रशिक्षण प्राप्त किया। मंत्रालय ने कहा कि शिक्षकों, पुलिस कर्मियों और जमीनी स्तर के अधिकारियों सहित अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोंसले के निधन

पृष्ठ 1 का शेष

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पद्म विभूषण से सम्मानित गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में श्री शाह ने कहा कि आशा ताई ने न केवल अपनी मधुर आवाज़ और अद्वितीय प्रतिभा से एक अनूठी पहचान बनाई, बल्कि अपने गीतों से भारतीय संगीत को और समृद्ध किया। गृह मंत्री ने कहा कि संगीत की हर शैली में ढलने की उनकी असाधारण क्षमता ने हर किसी का दिल जीत लिया और लाखों दिलों को छुआ। श्री शाह ने कहा कि आशा भोसले ने न केवल हिंदी, मराठी, बंगाली, तमिल, गुजराती और कई अन्य भाषाओं में, बल्कि लोकगीतों में भी अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि आशा ताई की आवाज़ में उतनी ही कोमलता थी जितनी उनके व्यवहार में सादगी और स्नेह था।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गायिका आशा भोसले का निधन संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि पार्श्व गायिका के रूप में उन्होंने हज़ारों फिल्मों और संगीत एल्बमों को अपनी आवाज़ दी और पीढ़ियों से भारतीय उनके गीतों को सुनते और गुनगुनाते रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उनकी मधुर आवाज़ की गूंज हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने इस दुख की घड़ी में उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मशहूर गायिका आशा भोंसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने एक अमिट संगीत विरासत छोड़ी है। अपने संदेश में श्री वैष्णव ने कहा कि भारतीय संगीत में उनके योगदान को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 हेतु आवेदन

पृष्ठ 1 का शेष

द्वीप खाद्य महोत्सव 2026 हेतु स्टॉल/स्थान शुल्क विवरण

क्र.सं.	श्रेणी	विवरण	सुरक्षा जमा (वापसी योग्य)
1	राज्य संघ एवं स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)	स्टॉल निःशुल्क आवंटित किए जाएंगे	
2	खाद्य स्टॉल (लाइव कुकिंग)	4,500 प्रतिदिन	6000 रूपए
3	खाद्य स्टॉल (पैक्ड फूड/कला एवं हस्तशिल्प)	3,500 प्रतिदिन	
4	खुला स्थान (मनोरंजक खेल/ बाउंसी/प्रचार)	03 दिनों हेतु 486.11 रूपए प्रति वर्ग मीटर (उदाहरणतः 10 वर्ग मीटर = 4,861 रूपए)	

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्टॉलों का आवंटन आवेदन पत्र में उल्लिखित नियम एवं शर्तों के अनुसार लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिससे निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। विस्तृत नियम एवं शर्तों सहित आवेदन पत्र संचालन अनुभाग, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, श्री विजय पुरम से प्राप्त किए जा सकते हैं तथा वहीं जमा भी किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी अथवा स्पष्टीकरण हेतु प्रबंधक (संचालन), सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, मोबाइल संख्या–9933255364 तथा श्री चंदर राव, एचकेएएम, मोबाइल संख्या–9933260324 से संपर्क किया जा सकता है।

सरकार ने डीजल पर निर्यात शुल्क बढ़ाया

नई दिल्ली, 12 अप्रैल

सरकार ने डीजल पर निर्यात शुल्क साढ़े 21 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर साढ़े 55 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी कि विमानन टरबाइन ईंधन पर भी शुल्क साढ़े 29 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं, पेट्रोल पर निर्यात शुल्क शून्य रहेगा।

आपदा प्रबंधन पुरस्कार 2027 हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 12 अप्रैल

भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों एवं संस्थानों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने हेतु 'सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार–2027' नामक वार्षिक राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की है। वर्ष 2027 के लिए इस पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

आपदा प्रबंधन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक अभ्यार्थी वर्ष 2027 के लिए सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए **https://awards.gov.in** वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में लिंक अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइट **(https://andamannicobar.gov.in)** तथा आपदा प्रबंधन निदेशालय **(https://ddm.andamannicobar.gov.in)** पर भी उपलब्ध है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2026 निर्धारित की गई है।

घरेलू एलपीजी आपूर्ति सामान्य, 52 लाख से अधिक सिलेंडर वितरितः सरकार

नई दिल्ली, 12 अप्रैल

सरकार ने कहा है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और कल 52 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। पेट्रोलियम और प्रा.तिक गैस मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन कार्रवाई जारी है। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में दो हजार सात सौ से अधिक छापे मारे गए। मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की तेल विपणन कंपनियों ने अचानक निरीक्षण को मजबूत और जारी रखा है। अब तक 219 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना लगाया है और 56 वितरकों को निलंबित किया है। मंत्रालय ने कहा कि कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन को संकट–पूर्व स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। इसमें 10 प्रतिशत सुधार–संबंधी आवंटन शामिल है।

मंत्रालय के अनुसार 23 मार्च से अब तक छात्रों और प्रवासी श्रमिकों सहित कमजोर समुदायों को 13 लाख से अधिक 5–किलो के मुक्त व्यापार एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जा चुके हैं। पिछले महीने से 4 लाख 24 हजार से अधिक पीएनजी कनेक्शनों को गैसयुक्त किया गया है और

4 लाख 66 हजार से अधिक ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया है। इस बीच, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा पश्चिम एशिया क्षेत्र में संचालित भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में भारतीय ध्वज वाले जहाजों से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है।

राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार 2024–चयनित श्रेणियों के लिए पोर्टल पुनः खोला गया

श्री विजय पुरम, 12 अप्रैल

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय, भारत सरकार ने पात्र उद्यमों की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार 2024 के लिए पोर्टल को पुनः खोल दिया है।

आवेदन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल **https://dashboard.msme.gov.in/na** के माध्यम से निम्नलिखित श्रेणियों में आमंत्रित किए गए हैं:

- विनिर्माण उद्यमिता के लिए पुरस्कार–तकनीकी रूप से दक्ष विनिर्माण इकाइयाँ
- सेवा उद्यमिता के लिए पुरस्कार–मध्यम उद्यम (समग्र)
- निर्यात उन्मुख सेवा उद्यमों के लिए पुरस्कार
- महिला उद्यमिता के लिए पुरस्कार–सूक्ष्म उद्यम (सेवा क्षेत्र)
- महिला उद्यमिता के लिए पुरस्कार–लघु उद्यम (सेवा क्षेत्र)
- अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) वर्ग के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–लघु उद्यम (विनिर्माण)
- अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) वर्ग के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–सूक्ष्म उद्यम (सेवा क्षेत्र)
- अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) वर्ग के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–लघु उद्यम (सेवा क्षेत्र)
- दिव्यांग श्रेणी के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–विनिर्माण उद्यम
- दिव्यांग श्रेणी के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–सेवा उद्यम
- उत्तर–पूर्वी राज्यों (एनईआर) के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–सूक्ष्म उद्यम (विनिर्माण)
- उत्तर–पूर्वी राज्यों (एनईआर) के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–लघु उद्यम (विनिर्माण)
- उत्तर–पूर्वी राज्यों (एनईआर) के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–सूक्ष्म उद्यम (सेवा क्षेत्र)
- उत्तर–पूर्वी राज्यों (एनईआर) के उद्यमियों के लिए पुरस्कार–लघु उद्यम (सेवा क्षेत्र)

शाखा एमएसएमई, डीएफओ, श्री विजय पुरम से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पोर्टल 21 मार्च, 2026 से 20 अप्रैल, 2026 तक खुला रहेगा। सभी पात्र एमएसएमई इकाइयों को निर्धारित अवधि के भीतर **https://dashboard.msme.gov.in/na** पर ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अब ओटीपी नहीं आएगा! सिम बदलते ही तुरंत ब्लॉक हो जाएगा बैंक अकाउंट, जानें क्या है नया 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन'

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

डिजिटल बैंकिंग के दौर में साइबर फ्रॉड और सिम स्वैप फ्रॉड सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। अक्सर अपराधी किसी तरह आपके सिम कार्ड को क्लोन कर लेते हैं या आपके नंबर पर आने वाले ओटीपी को एक्सेस कर लेते हैं, जिससे आपके बैंक खाते से पैसा उड़ाना आसान हो जाता है। इसी खतरे को खत्म करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकिंग सिस्टम अब एक क्रांतिकारी बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं, जिसे 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' कहा जा रहा है। यह तकनीक न केवल आपके बैंकिंग अनुभव को सुरक्षित बनाएगी, बल्कि ओटीपी के झंझट को भी हमेशा के लिए खत्म कर देगी।

साइलेंट ऑथेंटिकेशन का मतलब है कि आपके लेनदेन को प्रमाणित करने के लिए आपको मैन्युअल रूप से ओटीपी दर्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बजाय, बैंक का सिस्टम आपके मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर के साथ मिलकर बैकग्राउंड में आपकी पहचान की पुष्टि करेगा। यह प्रक्रिया इतनी तेजी से और चुपचाप होती है कि ग्राहक को पता भी नहीं चलता। जब आप कोई ट्रांजैक्शन शुरू करते हैं, तो बैंक का सर्वर सीधे आपके टेलिकॉम ऑपरेटर से यह वेरीफाई कर लेता है कि जिस सिम कार्ड से रिक्वेस्ट आई है, वह वास्तव में उसी व्यक्ति का है जिसके नाम पर बैंक अकाउंट है।

इस सुरक्षा फीचर का सबसे अहम हिस्सा यह है कि बैंक अब आपके सिम कार्ड की गतिविधि पर भी नजर रखेंगे। यदि आप अपना सिम कार्ड बदलते हैं–यानी आपका पुराना सिम बंद हो जाता है और नया सिम उसी नंबर पर एक्टिवेट होता है तो सिस्टम तुरंत एक अलर्ट जारी करेगा। चूंकि सिम स्वैप फ्रॉड में अपराधी इसी तरीके का उपयोग करते हैं, इसलिए बैंक का सिस्टम सुरक्षा के तौर पर उस अकाउंट को अस्थायी रूप से ब्लॉक कर देगा या अतिरिक्त वेरिफिकेशन मांगेगा। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि यदि किसी और ने आपके नंबर का सिम निकाल लिया है, तो वह आपके बैंक खाते का उपयोग न कर पाए।

सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको ओटीपी के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा और न ही फिशिंग के जरिए ओटीपी चुराए जाने का डर रहेगा। कई बार लोग गलती से धोखेबाजों को ओटीपी बता देते हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। साइलेंट ऑथेंटिकेशन में मानवीय हस्तक्षेप (Human Intervention) खत्म हो जाता है, जिससे फ्रॉड की गुंजाइश लगभग शून्य हो जाती है। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से 'साइलेंट' है, यानी ग्राहक को न कोई मैसेज टाइप करना है और न ही कोई कोड डालना है।

नहीं, इसके लिए आपको अलग से किसी ऐप को डाउनलोड करने की जरूरत नहीं है। यह तकनीक बैंक और टेलिकॉम कंपनियों के बीच बैकएंड पर काम करेगी। जैसे ही यह पूरी तरह लागू होगी, आपका बैंक आपसे सिम कार्ड के वेरिफिकेशन की अनुमति मांगेगा। आपको बस अपने बैंक के साथ अपने मोबाइल नंबर को अपडेटेड रखना होगा ताकि वेरिफिकेशन के दौरान कोई तकनीकी समस्या न आए।

क्या है Chinamaxxing, जिससे Gen Z बना रहे हैं अपने काम को आसान? बदल रही कॉर्पोरेट कल्चर की तस्वीर

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

सोशल मीडिया पर रोज कोई न कोई नया ट्रेंड वायरल होता है, लेकिन आजकल Gen Z के बीच एक ऐसा ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है, जो सिर्फ दिखावा या कोई फैशन नहीं है। इसका नाम है– 'Chinamaxxing'।

पहली नजर में यह कोई अजीब इंटरनेट स्लैंग लग सकता है, लेकिन असल में यह वर्कप्लेस बर्नआउट से बचने और एक सुकून भरी जिंदगी जीने का नया तरीका बन गया है। आइए समझते हैं कि आखिर यह वायरल ट्रेंड कॉर्पोरेट कल्चर पर कैसे असर डाल रहा है।

इंटरनेट की दुनिया में 'Chinamaxxing' का मतलब होता है किसी चीज को बेहतर बनाना या उसे उसकी चरम सीमा तक ले जाना। Chinamaxxing का सीधा–सा मतलब है, चीनी संस्कृति और वहां के लाइफस्टाइल से जुड़ी अच्छी आदतों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाना।

सोशल मीडिया पर युवा अब अपनी दिनचर्या के वीडियो शेयर कर रहे हैं। वे सुबह–सुबह ठंडे पानी या कैफीन वाले एनर्जी ड्रिंक्स की जगह हल्का गर्म पानी पी रहे हैं। जिम में भारी वर्कआउट करके खुद को थकाने के बजाय, वे पार्कों में 'ताइ ची' या मेडिटेशन जैसी शांति देने वाली एक्सरसाइज कर रहे हैं। कुल मिलाकर, वे अपनी जिंदगी की रफ्तार को जानबूझकर धीमा कर रहे हैं।

इस नए वर्क–लाइफ बैलेंस ट्रेंड का सीधा कनेक्शन पुरानी पीढ़ियों की गलतियों से है। Gen Z ने अपने माता–पिता और पुराने प्रोफेशनल्स को 'हसल कल्चर' का शिकार होते देखा है। दिन–रात काम करना, हर वक्त स्ट्रेस में रहना और अपनी सेहत को दांव पर लगाना। इसलिए, आज के युवा इस अंधी दौड़ का हिस्सा नहीं बनना चाहते।

Chinamaxxing के जरिए जेन–जी यह मैसेज दे रहे हैं कि सफलता पाने के लिए खुद को तपाना जरूरी नहीं है। पश्चिमी देशों की भाग–दौड़ भरी जिंदगी से ऊबकर वे पारंपरिक एशियाई फिलॉसफी अपना रहे हैं, जो ठहराव और संतुलन पर जोर देती है।

कैसे बदल रहा है Gen Z के काम करने का तरीका?

धीमी और शांत शुरुआत: युवा अब सुबह उठते ही तुरंत ऑफिस के ईमेल चेक नहीं करते। वे अपने दिन की शुरुआत सुकून भरे 'स्लो मॉर्निंग रूटीन' से करते हैं, ताकि ऑफिस पहुंचने तक उनका दिमाग पूरी तरह से शांत और केंद्रित रहे।

शॉर्ट–टर्म सक्सेस नहीं, लॉन्ग–टर्म हेल्थ: यह ट्रेंड पारंपरिक चीनी विचारधारा 'यांग शेंग' यानी आंतरिक संतुलन से प्रेरित है। इसका मतलब है कि सिर्फ आज के प्रोजेक्ट या डेडलाइन के लिए अपनी रातों की नींद खराब न करना, बल्कि लंबी उम्र और अच्छी सेहत को प्राथमिकता देना।

कड़ी बाउंड्रीज तय करना: ऑफिस में लगातार काम करने के बजाय बीच–बीच में ब्रेक लेना और शिफ्ट खत्म होते ही पूरी तरह से डिजिटल दुनिया और काम से जुड़ी कॉल्स से कट जाना इनकी पक्की आदत बन रहा है।

इस देश में ना एयरपोर्ट, ना अपनी करेंसी, फिर भी यूरोप के सबसे अमीर देशों में एक

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

क्या आपने कभी ऐसे देश के बारे में सुना है, जिसकी ना अपनी करेंसी हो, ना ही एयरपोर्ट हो फिर भी वह दुनिया के अमीर देशों में से एक हो. यह देश इतना सुदंर है कि यहां जाकर आपको लौटने का मन नहीं करेगा. खास बात ये है कि इस देश को यूरोप के सबसे खूबसूरत देशों में से भी एक माना जाता है.

इस देश का नाम है लिकटेंस्टीन (Liechtenstein). ये देश यूरोप में स्थित एक छोटा–सा देश है. यह देश स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के बीच में है. इस देश का क्षेत्रफल बहुत छोटा है. केवल 160 स्कवायर किलोमीटर में फैला है. इस देश की जनसंख्या महज 40 हजार है. इसके बावजूद यह अमीर देशों की सूची में आता है.

इस देश का अपना एयरपोर्ट नहीं है. यहां आने वाले लोग आमतौर पर स्विट्जरलैंड या ऑस्ट्रिया के एयरपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं. इसके बाद सड़क या रेल मार्ग के जरिए लिकटेंस्टीन में प्रवेश करते हैं.

आपको जानकर हैरानी होगी कि लिकटेंस्टीन की अपनी कोई मुद्रा नहीं है. यहां स्विस फ्रैंक मुद्रा का उपयोग किया जाता है.

अब सवाल उठता है कि बिना एयरपोर्ट और करेंसी के यह देश इतना अमीर कैसे है. इसके पीछे कई कारण हैं:

मजबूत बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर
उन्नत मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री
हाई–टेक उत्पादों का निर्यात
बहुत कम आबादी, जिससे प्रति व्यक्ति आय ज्यादा है

लिकटेंस्टीन देश की खूबियां–
यह दुनिया के सबसे छोटे देशों में से एक है
यहां क्राइम रेट बेहद कम है
लोगों का जीवन स्तर काफी अच्छा है
यहां नौकरियां लोगों की संख्या से ज्यादा हैं

देसी तरीका, बड़ा फायदा! जानें कैसे घनजीवामृत बढ़ाता है आपकी मिट्टी की ताकत और पैदावार को करता है दोगुना

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

घनजीवामृत मिट्टी की प्राकृतिक जैविक ताकत को बढ़ाता है. इसमें मौजूद सूक्ष्मजीव मिट्टी में पोषण तत्वों को सक्रिय करते हैं, जिससे मिट्टी अधिक उपजाऊ और स्वस्थ बनती है.

कृषि विभाग के अनुसार, घनजीवामृत का इस्तेमाल पौधों की जड़ों को मजबूती प्रदान करता है. मजबूत जड़ें पौधों को पोषण बेहतर ढंग से ग्रहण करने में मदद करती हैं, जिससे पौधों की वृद्धि और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है.

इस जैविक खाद के इस्तेमाल से पौधों की विकास प्रक्रिया स्वाभाविक और संतुलित तरीके से बढ़ती है. रासायनिक उर्वरक की आवश्यकता कम होती है और पौधों की लंबाई, पत्तियों और फल की वृद्धि अधिक होती है.

घनजीवामृत से पोषक तत्वों का सही संतुलन मिट्टी में बनता है, जिससे फसल न केवल स्वस्थ होती है बल्कि उसका स्वाद और पोषण मूल्य भी बढ़ जाता है. यह खासतौर पर सब्जियों और अनाजों में गुणवत्ता सुधारने में मदद करता है.

घनजीवामृत पूरी तरह देसी और प्राकृतिक तरीका है. इसकी लागत बहुत कम है, जिससे छोटे और बड़े किसान दोनों इसे आसानी से अपने खेत में इस्तेमाल कर सकते हैं. यह आर्थिक रूप से भी बहुत लाभकारी है.

बुवाई के समय और बाद में हल्की गुड़ाई करके घनजीवामृत मिट्टी में मिलाने से पोषण तत्व जड़ों तक आसानी से पहुंचते हैं. साथ ही, सही सिंचाई से इसका असर और बढ़ जाता है, जिससे पौधों की वृद्धि और फसल की पैदावार में सुधार होता है.

'विकसित भारत–रोज़गार एवं आजीविका मिशन' से द्वीपों में ग्रामीण विकास

पृष्ठ 1 का शेष

डिगलीपुर ब्लॉक के अंतर्गत कार्यों की सूची

Sl. No.	Block	Panchayat	Name of work	Sanctioned Persondays
01	Diglipur	Diglipur	Construction of fisheries pond for community on the land of Smti.Sabitri Biswas, W/o Chittaranjan Biswas at Khudirampur, Ward No.02 (29x24x3)m along with approach path (30m)	1506
02	Diglipur	Gandhinagar	C/o earthen contour bund for individual horticulture plantation on the land of Shri.Tapan Das at Gandhinagar, Ward No.3 (0.3360 hect.)	562
03	Diglipur	Gandhinagar	Repair and maintenance of Anganwadi building for community at Anganwadi Centre at Gandhi Nagar-II under Gandhinagar GP.	254
04	Diglipur	Keralapuram	Construction of earthen contour bund for individuals for horticulture plantation on the land of M.K Sanjayan, S/o Lt.M.K Kuttan at Keralapuram, Ward No.2.	577
05	Diglipur	Keralapuram	Construction of earthen contour bund for individuals for horticulture plantation on the land of G.Kalavathi, W/o S.Gopinathan at Keralapuram, Ward No.2.	579
06	Diglipur	Kishorinagar	Construction of flood channel for community from Ganesh Baraik house to nallah near sub-centre at Mohanpur, Ward No.I under Kishorinagar GP (L-160m) 0103002004/IC/41	1417
07	Diglipur	Kishorinagar	C/o Mitti murram road for community from village road near Subodh Roy house to Promotho Mondal house at Kishorinagar, Ward No.3 (L- 250m)	778
08	Diglipur	Kishorinagar	Repair and maintenance of Anganwadi building for community at Anganwadi centre at Pailoon under Kishorinagar GP.	254
09	Diglipur	Kishorinagar	Repair and maintenance of Anganwadi building for community at Anganwadi centre at Ganadabla under Kishorinagar GP.	254
10	Diglipur	Laxmipur	Construction of flood channel for community from Mohan Rajbanshi house to Khari Nallah at Laxmipur Ward No.4 at Gram Panchayat Laxmipur (L- 190m).	582
11	Diglipur	Laxmipur	C/o mitti murrom road from Niranjan Mazumder house to Sagarika Mondal house at Laxmipur, Ward No.I (L-176m)	1199
12	Diglipur	Madhupur	Construction of flood channel for community Umesh Bepari to Kalpong river at Madhupur, Ward No.7 to 3. (L- 1365m)	5487
13	Diglipur	Madhupur	Development of fallow land for community at Eco Tourism Park at DB Gram, Ward No.1 under Madhupur GP (100x100)m.	2668
14	Diglipur	Paschimsagar	Construction of community water harvesting pond (Amrit Sarovar, Phase-II) including approach path near Hari Mandir at Paschimsagar, Ward No.02 (29x24x3)m.	1634
15	Diglipur	Paschimsagar	R & M of Anganwadi building for community at Anganwadi Centre at Haren Nallah (MAWC).	254
16	Diglipur	Radhanagar	Construction of Mitti Muram Road for Community from Waden Xess house to Sephali Gain house via Ajit Soreng, Hermon Xess, Tapas Biswas house at Shyamnagar-01, GP Radhanagar (L-175m)	1318
17	Diglipur	Radhanagar	Repair & maintenance of Anganwadi centre at Radhanagar-SW.	250
18	Diglipur	Radhanagar	Renovation of community water harvesting pond for community near the house of Bankim Ch. Paul at Swarajgram-2 (under SAGY).	283
19	Diglipur	RK Gram	Development of land along with fencing for park near Panchayat Bhawan at Ward No.7 under Gram Panchayat at R.K Gram. (0.05 hect).	1421
20	Diglipur	RK Gram	Construction of open drain from Niranjan Mistry house to nallah at Ward No.6 (141m).	545
21	Diglipur	Sitanagar	Construction of WBM road for community from village road to Deepak Mistry house at Ward No.5 under Gram Panchayat Sitanagar (L- 660m).	4063
22	Diglipur	Subashgram	C/o katcha road from Gobinda Mistry house to GG Paul house at Subashgram, Ward No.7 under GP Subashgram (L-142m).	1013
23	Diglipur	Subashgram	Construction of Anganwadi Center at Subashgram, Ward No.7 under GP Subashgram.	734
24	Diglipur	Madhupur	Providing unskilled wage component for construction of PMAY-G house building on the individual land of Shri.Bijoy Kumar Das, S/o Nityalal Das at village Madhupur, ward no.4 under GP Madhupur (AN100001167)	90
25	Diglipur	Madhupur	Providing unskilled wage component for construction of PMAY-G house building on the individual land of Shri. Jaydeb Mistry, S/o Amal Mistry at village Madhupur, ward no.4 under GP Madhupur (AN100001196)	90
26	Diglipur	Madhupur	Providing unskilled wage component for construction of PMAY-G house building on the individual land of Shri.Kajal Das, S/o Lt. Hira Lal Das at village Madhupur, ward no.2 under GP Madhupur (AN100001198)	90
27	Diglipur	Kalighat	R&M of Anganwadi Centre at Narayan Tikrey	250
28	Diglipur	Nabagram	C/o PMAY-G house building for individual of Shri. Sudhir Das, S/o Satish Das at Nabagram (AN100001391)	90
29	Diglipur	Shibpur	Providing unskilled wage component for construction of PMAY-G House building for individuals of Smti.Namita Biswas, W/o Haridas Biswas at Kalipur under Shibpur GP (AN100001680).	90

मायाबंदर ब्लॉक के अंतर्गत कार्यों की सूची

Sl. No.	Block	Panchayat	Name of work	Sanctioned Persondays
01	Mayabunder	Basantipur	C/o WBM road from Anganwadi centre to Madhab Roy house at Paresh Nagar II	2225
02	Mayabunder	Basantipur	C/o Community Water Harvesting Pond behind Radha Govind Temple at Pareshnagar 1 under GP Basantipur	1384
03	Mayabunder	Chainpur	Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY G REG. NO. AN100000880	90
04	Mayabunder	Chainpur	Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY G REG. NO. AN100000879	90
05	Mayabunder	Chainpur	Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY G REG. NO. AN100000881	90
06	Mayabunder	Chainpur	C/o Earthen Graded Bund for community from Grazing land to Amrit Sarovar pond at Pudumadurai	197
07	Mayabunder	Harinagar	Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY G REG. NO. AN100000914	90
08	Mayabunder	Harinagar	Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY G REG. NO. AN100000909	90
09	Mayabunder	Pahalgaon	C/o Mini Pond for individual in the land of ShriM V Pillai at Pahalgaon W No 5	575
10	Mayabunder	Pahalgaon	Renovation of Anganwadi Centre at Chuglamgum under GP Pahalgaon	373
11	Mayabunder	Pokadera	Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY G REG. NO. AN100000747	90
12	Mayabunder	Rampur	Construction of PMAY-G House for Individuals -PMAY G REG. NO. AN100000788	90
13	Mayabunder	Rampur	C/o Community Water Harvesting Pond at Lucknow village ward No 1 under GP Rampur	6247
14	Mayabunder	Swadeshnagar	Renovation of Anganwadi Centre at Louki Nallah 4 under GP Swadeshnagar	172
15	Mayabunder	Swadeshnagar	Renovation of Anganwadi Centre at Louki Nallah 3 under GP Swadeshnagar	373
16	Mayabunder	Swadeshnagar	C/o WBM Road from Sadananda Basu house to Nemai Mistry land at Shantipur WN 1 under GP Swadeshnagar	1550

रंगत ब्लॉक के अंतर्गत कार्यों की सूची

Sl. No.	Block	Panchayat	Name of work	Sanctioned Persondays
01	Rangat	Urmilapur	Renovation of water harvesting pond for community near the house of Baburam Roy at Laxmanpur	770
02	Rangat	Sundergarh	Levelling/Shaping of wasteland for community near PHC Baratang at Sundergarh Ward no 03 under GP Sundergarh. (0103003001/LD/ 544)	638
03	Rangat	Sundergarh	C/o Community water Harvesting pond near the land of shri Tarcius Bilung at Vijaygarh 1 under MGNREGA. {0103003001/WC /9339 Order No.:- 107 dtd. 15/10/25	1529
04	Rangat	Shivapuram	Leveling/Shaping of wasteland for Grazing land near Kandaswamy Crusher at Panchawati.	638
05	Rangat	Kaushalyanagar	Construction of community water harvesting pond near the house of Chaitanya Mondal at GP Kaushalyanagar	918
06	Rangat	Bakultala	Construction of community water harvesting pond at ward no.5 near Lagnu Pradhan plot Bakultala	1682
07	Rangat	Nimbutala	Renovation of community water harvesting pond at Amkunj grazing land w no 1 under GP Nimbutala	942

इतिहास के पन्नों में 13 अप्रैल : 1919 का जलियांवाला बाग हत्याकांड, जिसने आजादी की लड़ाई को दी नई दिशा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 13 अप्रैल का दिन एक बेहद दर्दनाक और निर्णायक घटना के रूप में दर्ज है। वर्ष 1919 में इसी दिन जलियांवाला बाग हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। पंजाब के अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में हजारों भारतीय एक शांतिपूर्ण सभा के लिए एकत्र हुए थे। यह स्थान स्वर्ण मंदिर के नजदीक स्थित है। उस समय ब्रिटिश शासन ने रॉलेट एक्ट के विरोध में हो रही सभाओं पर सख्ती बरतनी शुरू कर दी थी।

इसी दौरान ब्रिटिश अधिकारी जनरल डायर ने बिना किसी चेतावनी के निहत्थी भीड़ पर गोलियां चलाने का आदेश दे दिया। संकरे रास्तों से घिरे इस बाग में मौजूद लोगों के पास बचने का कोई रास्ता नहीं था। गोलीबारी शुरू होते ही भगदड़ मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे। इस भयावह घटना में सैकड़ों लोग मारे गए, जबकि हजारों घायल हुए। कई महिलाएं अपने बच्चों के साथ जान बचाने के लिए बाग में मौजूद कुएं में कूद गईं। संकरी निकासी के कारण भगदड़ में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई।

इस नरसंहार ने पूरे देश में ब्रिटिश शासन के खिलाफ आक्रोश को और भड़का दिया। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, जिसने आजादी की लड़ाई को और तेज कर दिया। आज भी 13 अप्रैल को देश इस त्रासदी को श्रद्धांजलि के रूप में याद करता है और उन शहीदों को नमन करता है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1699 – सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की। हर साल इसी दिन बैसाखी का त्यौहार बनाया जाता है।

1919– पेरिस में शान्ति सम्मेलन का उद्घाटन;

1919– बेनिटो मुसोलिनी द्वारा इटैलियन फ़ासिस्ट पार्टी की स्थापना।

1947– भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक संबंध स्थापित।

1960– फ्रांस ने सहारा मरूस्थल में परमाणु बम का परीक्षण किया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बना।

1980 – अमेरिका ने मास्को में हो रहे ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का बहिष्कार किया।

1984 – भारतीय क्रिकेट टीम ने शारजाह में पाकिस्तान को 58 रन से हराकर पहली बार एशिया कप जीता।

'फिट इंडिया आंदोलन' से जुड़ें युवा, अपनाएं सक्रिय जीवन शैली–केन्द्रीय खेल मंत्री

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने रविवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' के 69वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्र निर्माण में फिटनेस की अहम भूमिका पर जोर देते हुए लोगों से फिट इंडिया आंदोलन से जुड़ने और एक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

डॉ. मंडाविया ने कहा कि "संडे ऑन साइकिल" अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित है, जिसके कारण देश के युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'फिट इंडिया' का संदेश दिया है। यह केवल एक संदेश नहीं, बल्कि 'विकसित भारत' के लिए एक आवश्यकता है।

फिटनेस के महत्व को रेखांकित करते हुए डॉ. मंडाविया ने कहा कि यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसके नागरिकों, खासकर युवाओं का स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं और स्वस्थ समाज ही विकसित राष्ट्र बनाता है। मैं हर नागरिक से, विशेष रूप से इस देश के युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे 'संडे ऑन साइकिल' आंदोलन से जुड़ें और 'फिट इंडिया' का संदेश फैलाएं।

खेल मंत्री ने 'फीट इंडिया एप' के जरिए फिटनेस के साथ सस्टेनेबिलिटी को जोड़ने पर भी जोर दिया। इस ऐप

की मदद से नागरिक साइकिल चलाकर 'कार्बन क्रेडिट' कमा सकते हैं। इस पहल का मकसद पर्यावरण के अनुकूल आवाजाही को बढ़ावा देना और साथ ही सेहतमंद जीवनशैली को पुरस्त करना है। जमा हुए कार्बन क्रेडिट का इस्तेमाल उत्पाद खरीदने के लिए किया जा सकता है।

कार्यक्रम का माहौल बेहद उत्साहपूर्ण रहा– तेज संगीत, जुम्बा सेशन, योग गतिविधियां, रस्सी कूद, टग ऑफ वॉर और विभिन्न फिटनेस गेम्स ने इसे एक जीवंत फिटनेस उत्सव बना दिया। हर उम्र के लोग, छात्र, पेशेवर, खिलाड़ी शामिल हुए। कार्यक्रम में राहगीरी फाउंडेशनद्वारा "स्टेट यूथ लीडर्स" थीम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय की "योग 365" पहल के तहत योग परामर्श केंद्र भी लगाया गया, जहां लोगों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में योग सत्रों का लाभ उठाया।

भारतीय सेना की टुकड़ी भारत–उज़्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'दुस्तलिक' के लिए रवाना हुई

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

भारतीय सेना की टुकड़ी भारत–उज़्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'दुस्तलिक' के 7 वें संस्करण के लिए आज रवाना हुई। यह अभ्यास 12 से 25 अप्रैल 2026 तक उज़्बेकिस्तान के नामंगम स्थित गुरुमसराय फील्ड ट्रेनिंग एरिया में होगा। 'दुस्तलिक' अभ्यास एक वार्षिक अभ्यास है जो बारी–बारी से भारत और उज़्बेकिस्तान में किया जाता है। पिछला संस्करण अप्रैल 2025 में औंध (पुणे) स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड़ में आयोजित किया गया था।

भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ी में 60 जवान शामिल हैं, जिनमें से 45 भारतीय सेना के जवान हैं, जिनमें से अधिकांश महार रेजिमेंट की एक बटालियन से हैं, और 15 भारतीय वायु सेना के जवान हैं। उज्बेकिस्तान की टुकड़ी में भी लगभग 60 जवान शामिल हैं, जो उज्बेकिस्तान की सेना और वायु सेना से हैं।

आशा ताई, आपने ही कहा था 'अभी न जाओ छोड़कर कि दिल अभी भरा नहीं...' और खुद तोड़ दिया वादा

मुंबई, 12 अप्रैल।

वो आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई, जिसने कभी गुनगुनाया था 'अभी न जाओ छोड़कर कि दिल अभी भरा नहीं...' अपनी जादुई आवाज के दम पर भारतीय संगीत जगत को सात दशकों तक रोशन करने वाली सुरों की आशा अब हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनके गाए गाने, किस्से और यादें हमेशा प्रशंसकों के लिए खास बनी रहेगी।

आशा भोसले का नौ साल की उम्र में शुरू संगीतमय सफर 92 वर्ष की आयु में थम गया और मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में शनिवार रात हृदय और सांस संबंधी परेशानी के बाद उन्होंने दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। आशा ताई के जाने से न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि पूरे संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। ऐसे में उनका गाया गाना 'अभी न जाओ छोड़कर कि दिल अभी भरा नहीं'... जख्म को कुरेदता है। आज उन्होंने खुद यह वादा तोड़ दिया। उनकी आवाज अब कभी नहीं गूंजेगी, लेकिन उनके गाए गाने सदियों तक लोगों के दिलों में बसे रहेंगे।

संगीत की साधना करने वाली आशा भोसले ने एक बार सिंगिंग रियलिटी टीवी शो में अपनी आखिरी इच्छा भी जाहिर की थी, जो संगीत से ही जुड़ी थी। उन्होंने बताया था, ''मैं चाहती हूं कि गाते–गाते मौत आ जाए बस, और मुझे कुछ नहीं चाहिए।''

आशा भोसले ने मात्र 9 साल की उम्र से गाना शुरू किया था। उन्होंने साल 1943 में अपना पहला फिल्मी गाना रिकॉर्ड किया। शुरू में उन्हें ज्यादातर कैबरे और डांस नंबर्स ही मिलते थे, लेकिन अपनी लगन और अद्भुत प्रतिभा से उन्होंने हर तरह के गानों में महारत हासिल कर ली। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर के बाद वह हिंदी सिनेमा की शानदार गायिका बन गईं।

आशा भोसले ने न सिर्फ फिल्मी गीत गाए, बल्कि गजलें, भजन और शास्त्रीय संगीत आधारित गाने भी बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किए। फिल्म 'उमराव जान' में उनकी गजलें आज भी लोगों की खास हैं। आशा भोसले ने हजारों गाने गाए और हर पीढ़ी को अपनी आवाज से जोड़ा।

'अभी न जाओ छोड़कर' भी उन शानदार आशा ताई के सदाबहार गानों में से एक है। इसकी गिनती आशा भोसले के सबसे रोमांटिक और अमर गाने में की जाती है। 1961 में रिलीज फिल्म 'हम दोनों' में देव आनंद और साधना पर फिल्माया गया यह गाना मोहम्मद रफी और आशा भोसले की जोड़ी ने गाया था। जयदेव का संगीत और साहिर लुधियानवी के शब्द वाला यह 4 मिनट 8 सेकंड का गीत रिलीज होते ही सुपरहिट हो गया।

यह गाना जुदाई से पहले की मीठी–मीठी भावनाओं को बेहद कोमल तरीके से बयां करता है। आज भी यह गाना रेडियो, यूट्यूब, स्टेज शो और सोशल मीडिया पर बार–बार सुना जाता है। श्रोता इसे सुनकर भावुक हो जाते हैं।

आशा भोसले अपने लंबे करियर में केवल रोमांटिक अंदाज वाले गानों तक सीमित नहीं थी, उन्होंने हर अंदाज के गाने गाए, चुलबुले, रोमांटिक, गंभीर गजलें और भजन, लाइट व पार्टी सॉन्ग्स भी। उनकी आवाज में एक अनोखा जादू था, जो सुनने वाले के मन को छू जाता था। उन्होंने सैकड़ों फिल्मों के लिए आवाज दी और हर गाने को अपनी पहचान बना दी।

नेरियमंगलमः प्रकृति की गोद में छिपा है रहस्यमयी गांव, वाटरफॉल और मसालेदार पेड़–पौधे का ले पाएंगे अनुभव

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

जून की छुट्टियों का मौसम शुरू होने वाला है और अगर आप एक साथ सुकून और प्रकृति की मनमोहक छटा का नजारा लेना चाहते हैं, तो हम आपके लिए केरल की ऐसी जगह की जानकारी लेकर आए हैं, जो अपनी प्रकृति, वाटरफॉल, और मसालेदार पेड़–पौधों के लिए मशहूर है।

यहां आकर प्रकृति के सुंदर नजारों के साथ दक्षिण भारत का पहला मेहराबदार पुल भी देखने को मिलेगा, जिसका बहुत पुराना इतिहास भी है।

केरल के एर्नाकुलम/इडुक्की सीमा क्षेत्र में प्रकृति की गोद में छिपा एक नेरियमंगलम नाम का गांव है, जो ऊंचे और हरे–भरे पहाड़ से घिरा है। यहां बड़े झरने से लेकर रबर के लंबे और विशाल पेड़ भी देखने को मिल जाएंगे। सबसे खास बात है कि इस गांव नेरियमंगलम को पार करते ही आपको तापमान में बदलाव भी महसूस होगा। इसे "मुन्नार का प्रवेश द्वार" कहा जाता है।

नेरियमंगलम गांव पेरियार नदी के तट पर स्थित है, जहां हरे–भरे रबर के बागानों, मसालों के बगीचों दो बड़े वाटरफॉल चीयप्पारा और वलारा देखने को मिलेंगे, जहां दूर–दूर से पर्यटक आते हैं। केरल की प्रमुख भाषा मलयालम में नेरियमंगलम का अर्थ है "नेरियम का गाँव।" यहां नेरियम का अर्थ है वहां की प्रकृति में पाया जाने वाला पेड़, और मंगलम का अर्थ है शुभ और सौभाग्य लेकर आना।

यहां आसानी से इलायची, काली मिर्च, वनीला, लौंग जायफल और दालचीनी के पेड़ मिल जाते हैं। यहां रबर के पेड़ों की भी खेती होती है, लेकिन यहां के वातावरण के हिसाब से सबसे ज्यादा खेती मसालों की होती है और फिर पूरे भारत में इसे बेचा जाता है। दो बड़े वाटरफॉल, चीयप्पारा

और वलारा, प्रकृति के बीचों–बीच बसे झरने हैं, जो कोच्चि–मुन्नार राजमार्ग पर पड़ते हैं। चीयप्पारा एक इको–टूरिज्म प्लेस है, जहां 1000 फीट से अधिक के ऊंचे पहाड़ से जल तेजी से नीचे गिरता है और तेज आवाज आती है। पानी बिल्कुल साफ और ठंडा होता है। जून से सितंबर के मध्य पानी का स्तर बढ़ जाता है और अधिक संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं जबकि वलारा एक छोटा झरना है, जो मानसून के दौरान ही दिखता है।

बात अगर नेरियमंगलम के मेहराबदार पुल की करें, तो यह फुल एर्नाकुलम और इडुक्की के बीच एक बड़े मार्ग का काम करता है। खास बात यह है कि पुल को पार करते ही आपको अलग जलवायु और तापमान का अहसास होगा। इस पुल का निर्माण 1935 में त्रावणकोर के महाराजा ने करवाया था। आज इस पुल के पास कई स्टे हाउस देखने को मिल जाते हैं। यहां आपको खाने में मुख्य रूप से काली मिर्च का स्वाद जरूर चखने को मिलेगा। इसके साथ ही अप्पम, पुट्टू और कडाला करी, मसालेदार और कुरकुरी मछली और चावल खाने को मिल जाएंगे।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद पहले कमांडर सम्मेलन में तैयारियों की समीक्षा करेगी नौसेना

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

साल में दो बार होने वाले नौसेना के कमांडर सम्मेलन का पहला हिस्सा 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक नई दिल्ली में होगा। नौसेना भवन में होने वाले इस शीर्ष सम्मेलन में राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा, क्षमता विकास और सुरक्षा लक्ष्यों के साथ सामरिक तालमेल के लिए नौसेना के ऑपरेशनल रुख की पूरी समीक्षा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस के दौरान होने वाली बातचीत का मकसद भारतीय नौसेना को हिंद महासागर क्षेत्र और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में 'पसंदीदा सुरक्षा भागीदार' के तौर पर प्रचारित करना है।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और हिंद महासागर क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय ताकतों के मिलने के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने के लिए तेजी से नौसेना की तैनाती को देखते हुए इस कमांडर सम्मेलन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन का ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद नौसेना के ऑपरेशनल सिद्धांत, इंटर–सर्विसेज कोआर्डिनेशन और तकनीक से चलने वाले प्रतिक्रिया तंत्र को फिर से मजबूत करने में भी खास महत्व है।

कॉन्फ्रेंस में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, गृह सचिव और नौसेना के वरिष्ठ शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करेंगे। इसका मकसद इंटर ऑपरेबिलिटी और तालमेल को बढ़ाना, राष्ट्रीय स्थिरता, सुरक्षा वास्तुकला और भविष्य की समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के तरीके पर एक बड़ा नजरिया बनाना

है। यह फोरम राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ करीबी बातचीत के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करता है, जो नौसेना योजना के लिए सामरिक दिशा तय करता है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ऑपरेशनल कमांडरों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूदा भू–रणनीतिक माहौल में बहु–आयामी चुनौतियों से निपटने की समीक्षा और आकलन करेंगे। सुरक्षा से जुड़ी जरूरी बातों के साथ–साथ, बातचीत में अहम ऑपरेशनल सफलता पाने, नीले पानी की क्षमताओं को बढ़ाने, ट्रेनिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, सस्टेनेबल मेंटेनेंस प्रैक्टिस, बिना क्रू वाले सिस्टम का असरदार इस्तेमाल, ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स और प्लेटफॉर्म की लड़ाई के लिए तैयार रहने के दूसरे जरूरी तरीकों पर फोकस किया जाएगा।

अमेरिका–ईरान वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में लगभग 21 घंटे तक चली अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि बातचीत सार्थक रही, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि मुख्य मतभेद ईरान से परमाणु हथियार न बनाने की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को लेकर है। उन्होंने बताया की अमेरिका ने ईरान के समक्ष अंतिम प्रस्ताव रखा है और अब ईरान की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

इससे पहले, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान सरकार द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक बयान में तेहरान ने संकेत दिया था कि कुछ मतभेद बने रहने के बावजूद संवाद जारी रहेगा। यह बैठक वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कई दशकों में सबसे उच्चस्तरीय प्रत्यक्ष वार्ता रही। वार्ता के प्रमुख मुद्दों में पश्चिम एशिया में युद्धविराम, अमेरिका में रोकी गई ईरानी संपत्तियों की रिहाई और हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से जुड़े विषय शामिल थे।

वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता हो या न हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में अभियान जारी है और अमेरिका पहले ही जीत चुका है। इस बीच, एक वीडियो संदेश में इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि इज़राइल ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को विफल कर दिया है।

इस वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने किया। उनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर सहित वरिष्ठ सलाहकार मौजदू थे। वही, ईरानी संसद अध्यक्ष और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मोहम्मद बाकर क़लीबाफ़, विदेश मंत्री अब्बास अराघची और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख अली बाघेरी–कानी भी वार्ता में शामिल हुए।

बार–बार आ रहे हैं संदिग्ध कॉल और मैसेज? इस पॉर्टल पर तुरंत करें रिपोर्ट, अपराधी का फोन हो जाएगा ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

आजकल के डिजिटल दौर में स्कैम और संदिग्ध कॉल्स काफी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं. कई मोबाइल यूजर इन कॉल्स और मैसेज्स से परेशान रहते हैं. कुछ यूजर्स इन नंबरों को ब्लॉक करते हैं, लेकिन फिर दूसरे नंबर से कॉल–मैसेज आना शुरू हो जाता है. अगर आप भी ऐसी ही स्थिति से परेशान हैं तो यह खबर आपके लिए ही है. अब आपको धोखाधड़ी वाले मैसेज या कॉल्स से परेशान होने की जरूरत नहीं है. भारत सरकार ने एक ऐसा पोर्टल पेश किया है, जहां आप घर बैठे इन नंबरों की शिकायत कर सकते हैं. इस पोर्टल की खास बात है कि यह न केवल नंबर ब्लॉक करता है, बल्कि अपराधी के मोबाइल को भी ब्लैकलिस्ट कर देता है.

राजस्थान पुलिस ने हाल ही में अपने आधिकारिक X हैंडल से पोस्ट शेयर किया है और लोगों को इस पोर्टल के बारे में जानकारी दी है. अब संदिग्ध कॉल या मैसेज आने पर घबराने की जरूरत नहीं है इन्हें आप चक्षु पोर्टल पर रिपोर्ट कर सकते हैं. इसकी मदद से अपराधी का नंबर न केवल ब्लॉक होगी बल्कि मोबाइल को भी ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा.

अगर आपको डिजिटल अरेस्ट की धमकी मिले, फर्जी

केवाईसी या कूरियर के नाम पर संदिग्ध कॉल आए तो आप तुरंत चक्षु पोर्टल (Chakshu Portal) पर रिपोर्ट कर सकते हैं. इसके अलावा अगर आपको विदेशी नंबरों (+92, +84 आदि) से बार–बार कॉल आती है तो भी आप इस पॉर्टल पर रिपोर्ट कर सकते हैं. रिपोर्ट करने के लिए आपको चक्षु पोर्टल की आधिकारिक वेबसाइट https://sancharsaathi.gov.in/sfc पर जाना होगा.

अगर आपके साथ किसी तरह का ठगी हो जाए या आर्थिक नुकसान हो जाए तो इसके लिए आपको cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करना होगा. इसके अलावा आप 1930 नंबर पर डायल भी कर सकते हैं.

सांप पहचानने वाला ऐप लॉन्चः कोस्टा रिका की अनोखी तकनीकी पहल

नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

कोस्टा रिका ने मानव सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एक अभिनव मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है, जो जहरीले सांपों की पहचान करने में मदद करता है। यह ऐप साँपों से सामना होने पर सुरक्षित रूप से निपटने में मदद करेगा। क्लोडोमिरो पिकाडो संस्थान द्वारा विकसित यह "आईसीपी ऐप" उपयोगकर्ताओं को वैज्ञानिक और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करता है। यह पहल विशेष रूप से उन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जहां सांपों की गलत पहचान से घबराहट या अनावश्यक नुकसान हो सकता है।

हाल ही में लॉन्च किया गया यह ICP ऐप एक मुफ़्त डिजिटल टूल है, जो Android और iOS दोनों प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध है। इसे यूज़र्स की मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि वे कोस्टा रिका में पाए जाने वाले ज़हरीले साँपों की पहचान कर सकें।

यह ऐप इन बातों पर केंद्रित होगाः–

25 ज़हरीली साँप प्रजातियों की पहचान करना, साथ ही, गैर–ज़हरीले साँपों के साथ उनकी दृश्य तुलना उपलब्ध कराना और एक ही जगह पर सत्यापित वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना इत्यादि।

यह ऐप सांप के काटने की स्थिति में प्राथमिक उपचार संबंधी दिशा–निर्देश भी प्रदान करता है। साथ ही, एंटीवेनम (विषरोधी) के उत्पादन और अनुसंधान से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध कराता है। उपयोगकर्ता सांप देखे जाने के स्थान को लॉग कर सकते हैं, जिससे चिकित्सा सहायता और प्रतिक्रिया को बेहतर बनाया जा सके।

इस ऐप का विचार एक बहुत ही व्यावहारिक समस्या से उपजा है। Clodomiro Picado Institute के तकनीकी विशेषज्ञों को कोस्टा रिका के लोगों से अक्सर रोज़ाना ऐसी पूछताछ मिलती थी, जिसमें लोग तस्वीरों के ज़रिए यह

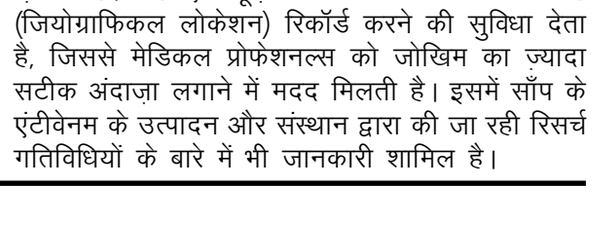

पूछते थे कि क्या वे जीव ज़हरीले हैं। डॉ. एंड्रेस हर्नांडेज़ बोलानोस के अनुसार, इस कन्फ्यूजन की वजह से कभी–कभी लोगों में पैनिक रिएक्शन होता है, जिससे नुकसान न पहुँचाने वाले साँपों को मार दिया जाता है।

ICP ऐप एक सेंट्रलाइज़्ड और भरोसेमंद रेफरेंस के तौर पर काम करता है और यह ऑनलाइन मौजूद गलत जानकारी पर निर्भरता कम कर रहा है। यह ऐप सिर्फ़ पहचान करने से कहीं आगे बढ़कर, ऐसे व्यावहारिक टूल्स भी देता है जो आपातकालीन स्थितियों में काम आ सकते हैं।

यूज़र्स सांपों की तस्वीरों की तुलना डेटाबेस में मौजूद प्रजातियों से कर सकते हैं, और साथ ही उनकी विस्तृत जानकारी और विशेषताओं तक भी पहुँच बना सकते हैं। इसमें साँप के काटने पर क्या करना चाहिए और मेडिकल मदद पहुँचने से पहले कौन–से तुरंत कदम उठाने चाहिए, इस बारे में प्राथमिक उपचार के निर्देश दिए गए हैं।

यह खासकर दूरदराज के या जंगली इलाकों में बहुत ज़रूरी है। यह ऐप यूज़र्स को साँप दिखने की जगह (जियोग्राफिकल लोकेशन) रिकॉर्ड करने की सुविधा देता है, जिससे मेडिकल प्रोफेशनल्स को जोखिम का ज़्यादा सटीक अंदाज़ा लगाने में मदद मिलती है। इसमें साँप के एंटीवेनम के उत्पादन और संस्थान द्वारा की जा रही रिसर्च गतिविधियों के बारे में भी जानकारी शामिल है।